शुभम् करोति

भैयाजी दाणी सेवा न्यास, इन्दौर (मालवा प्रांत) का त्रैमासिक प्रकाशन

सेवा पथिक

पंजीयन क्र. MPHIN/2012/43472

वर्ष 13 अंक 2 वि.स. 2081 ✲ 01 अप्रैल से 30 जून 2024 ✲ सेवा भारती मालवा प्रांत

निर्माणों के पावन युग में हम चरित्र निर्माण न भूलें!
स्वार्थ साधना की आंधी में वसुधा का कल्याण न भूलें!!

झलकियाँ

नव वर्ष (गुड़ी पड़वा) के अवसर पर **सेवा भारती खण्डवा द्वारा** संचालित दिव्यांग बालक छात्रावास केशव सेवा धाम में समिति व बालकों द्वारा गौ माता की पूजा कर गौ ग्रास दिया गया। गौ माता की उचित देखभाल निर्विघ्न हो सके इसके लिए उपस्थित समाजजनों से गौ माता के चारे हेतु प्रतिदिन 10 रुपए जमा कर वर्ष में एक बार सहयोग करने हेतु संकल्प दिलवाया गया।

सेवा भारती इंदौर, बद्रीनाथ जिला द्वारा संचालित निरंजनपुर सिलाई केन्द्र पर 21 दिनों का समर कैंम्प लगा जिसमें नर्सिंग मुंजी इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों द्वारा बस्ती के बच्चों को विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया।

सेवा भारती खरगोन द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह **ॐ नमः शिवाय** की 5 बहनों द्वारा 125 किलो सत्तू तथा 40 किलो सेवई का निर्माण किया गया। इन उत्पादों के विक्रय की व्यवस्था भी सेवा भारती द्वारा की गई।

उज्जैन सेवा भारती के सौजन्य से महिदपुर नगर, उज्जैन ग्रामीण जिला में विशाल जी पाटनी द्वारा अपने परिवार के दिवंगत सदस्यों की स्मृति में वाटर कूलर की सेवा शासकीय चिकित्सालय में प्रारंभ करवाई गई।

देवास सेवा भारती द्वारा संचालित बालक छात्रावास सेवाधाम उदय नगर के बालकों को लाला भाई सिकरवार (ढोलक एवं तबला वादक सुंदरकांड एवं भजन गायक) उदय नगर द्वारा ढोलक एवं तबला वादन का प्रशिक्षण दिया गया। केंद्र पर होनेवाले सभी कार्यक्रमों में छात्रावास के बालक ही वाद्य यंत्र का प्रयोग करते आए हैं। इसमें निपुणता लाने के उद्देश्य से उन्हें यह प्रशिक्षण दिया गया।

सेवा पथिक
त्रैमासिक पत्रिका

भैया जी दाणी सेवा न्यास
मालवा प्रान्त का मुखपत्र

विक्रम संवत् 2081
1 अप्रैल से 30 जून 2024
वर्ष 13 अंक 2

संपादक

ताराचंद लखवानी
उज्जैन (म.प्र.)
मो. 94066-80303

सह-संपादक

कामना खण्डेलवाल
इंदौर (म.प्र.)
मो. 98270-26225

संपादकीय कार्यालय
सेवा भारती
34 तिलकपथ, नागपुर नागरिक सहकारी बैंक के ऊपर , इन्दौर
पिन-452007
दूरभाष : 0731-2548483

प्रकाशक
अर्चना, 76, रामबाग, इन्दौर
दूरभाष - 0731-2548483

मुद्रक
मुद्रांकण ऑफसेट
11-सी पोलोग्राउण्ड, इंदौर

संपादकीय.....

सेवा परमो धर्मः सेवा मनुष्यता की सहज अभिव्यक्ति है। मनुष्य, मनुष्य ही इसलिए है कि वह दुखितों का दुख अनुभव करता है और उनकी सेवा करता है । स्वयंसेवकों और सेवा भारती के साथ ही अनेकों लोग और संस्थाएं भी अपने-अपने ढंग से सेवा कार्यों में लगी हैं और अनेकों लोग सेवा करने को उत्सुक हैं। सेवा भारती ऐसे सभी लोगों और संस्थाओं को अपने साथ लेकर सही दिशा में व्यवस्थित ढंग से सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित करती है जिससे सेवा लेने वाला व्यक्ति हमेशा सेवा ही न लेता रहे बल्कि वह स्वाभिमानी और स्वावलंबी बनकर दूसरों की सेवा करने वाला बने ।

इसी क्रम में सेवा भारती द्वारा एम. वाय. अस्पताल इंदौर में रोगियों व उनके परिजनों के लिए विश्रामालय का शुभारंभ किया । प्रांत के सभी जिलों में स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविरों, नेत्र परीक्षण शिविरों व मोतियाबिंद ऑपरेशनों की व्यवस्था, रक्त प्रशिक्षण व रक्तदान शिविरों का आयोजन, कुपोषित बच्चों व एनीमिक महिलाओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण, जांच व इलाज की उचित व्यवस्था कर उन्हें सुपोषित व रोग मुक्त करने की दिशा में कदम उठाया, बाल शिक्षा व संस्कार केंद्र, कोचिंग व प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से शिक्षित करने व ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण,मेहंदी प्रशिक्षण, कंप्यूटर प्रशिक्षण व वेस्ट से बेस्ट बनाने की कार्यशाला आदि के माध्यम से मातृशक्ति को स्वाभिमानी व आत्मनिर्भर बनाने व तरुणी-किशोरी विकास वर्गों के माध्यम से उन में आत्मविश्वास का भाव जागृत कर रहे हैं। कन्या व बालक छात्रावास, मातृछाया व अन्य प्रकल्प दर्शन के माध्यम से समाज को जोड़ना। इस प्रकार समाज में शोषित, पीड़ित, वंचित बंधु-भगिनी को स्वस्थ, शिक्षित व स्वावलंबी बनाकर राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सेवा पथ पर हम आप सब तन, मन, धन से अग्रसर हों।

संपादक मंडल

आदर्श शासक महान नारी : लोकमाता देवी श्री अहिल्या बाई होलकर

विश्व हो या भारत.... इतिहास के पन्नों पर सदैव किसी भी राज्य के राजा से ही उसकी रानी की पहचान अंकित रहती है, किन्तु कुछ रानियां ऐसी भी हैं जिन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाकर अपने दोनों वंश-परिवारों का मान विश्व में बढ़ाया है। उन्हीं में से एक प्रमुख नाम है लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का, जिन्होंने समाज की बेड़ियों को तोड़कर स्वयं की एक अलग पहचान बनाई। मालवा के इंदौर में होलकर परिवार की पुत्रवधू अहिल्याबाई प्रसिद्ध मराठा शासकों में से थीं। वे बहादुर, दूरदर्शी, जनहितैषी, बुद्धिमान, आध्यात्मिक एवं विदुषी थीं। अपने ससुर श्रीमंत महाराज मल्हार राव होलकर तथा पति खांडेराव की मृत्यु के पश्चात 11 दिसंबर 1767 से इंदौर का शासन संभाला। ब्रिटिश इतिहासकार जॉन किए ने इन्हें **द फिलॉस्फर क्वीन** से संबोधित किया। वे मालवा की शासक, उग्र रानी और कुशल प्रशासक होने के साथ एक समझदार राजनीतिज्ञ भी थीं। जब मराठा पेशवा अंग्रेजों की योजनाओं को समझ न सके तब इन्होंने पेशवा को आगाह किया था।

विश्व के प्रसिद्ध स्थानों की ख्याति अथवा प्रसिद्धि के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण होते हैं। जहां का प्राचीन इतिहास हमें गर्व का अनुभव कराता है। वही प्राचीन स्थान हमें सैकड़ों वर्षों के बाद आज भी वहां की संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, पहचान आदि का परिचय करवा रहे हैं, जैसे श्रीराम की अयोध्या, कृष्ण की मथुरा। दुख है कि इन नगरों में बोलने की शक्ति नहीं है। यदि होती तो यह अपने दुख, कष्ट और परिवर्तनों का इतिहास भी हमें बता पाते। इन्हीं में से एक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का इंदौर शहर है, जो मध्यप्रदेश के राजकीय कार्य का मानो केंद्रबिंदु है। 31 मई 1725 ईस्वी में अहमदनगर जिले के तालुका जामखेड़ा के चौड़ी नामक गांव में रहने वाले मांकोजी शिंदे के यहां कन्या रत्न के रूप में अहिल्याबाई का जन्म हुआ। यह वह समय था जब कन्या शिक्षा का सामान्य परिवारों में प्रचलन नहीं के बराबर था। पर आपके पिता ने आपको थोड़ा अध्यापन करवाया। आप बचपन से ही ईश्वर-पूजन-पाठ तथा पुराण का वाचन न हो जाए तब तक भोजन ग्रहण नहीं करती थीं। आपकी मृत्यु 13 अगस्त 1795 को हुई। आपका कुल शासनकाल 30 वर्षों का रहा, जो आपने अपने सामर्थ्य के बल पर किया। (1 दिसंबर 1767 से 13 अगस्त 1795 तक)अपनी सूझबूझ तथा साहस के बल पर आपने अपने राज्य को शाक्तिशाली बनाया और विश्व के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत किया कि महिलाएं भी पुरुषों से कम नहीं हैं और बराबरी से कदमताल कर सकती हैं, जबकि उस समय सतिप्रथा प्रचलित थी। परन्तु अहिल्याबाई ने अपनी 16 करोड़ की विरासत पर किसी भी राज्य अथवा विरोधियों का अधिपत्य नहीं होने दिया। यह बात आपके व्यक्तित्व पर और अधिक प्रकाश डालती है। आपकी दृष्टि अत्यंत व्यापक थी। पर्यावरण के क्षेत्र में आपने महत्वपूर्ण कार्य किया, इसके साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए नई परंपराओं का सूत्रपात किया। लोगों के पास जाकर उनके दुःख-दर्द, परेशानियों को स्वयं अनुभव कर सुना, तथा आवश्यकता के आधार पर पर्याप्त सहायता के आदेश दिए। आपने न सिर्फ अपने राज्य में बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष में लगभग 65 मंदिर, धर्मशालाओं का निर्माण करवाया। साथ ही साथ तालाब, घाट, कुँए, बावड़ियों, पानी की टंकी को सुविधाओं के साथ बनवाया।

9 वर्ष के अपने पुत्र मालोजी की मृत्यु के बाद आपने इंदौर से महेश्वर को अपनी राजधानी बनाया और वहीं से राज्य का कार्य करते हुए दूरस्थ अमरकंटक, केदारनाथ, बद्रीनाथ, रामेश्वरम, अयोध्या, पुष्कर, मथुरा, काशी, हरिद्वार आदि स्थानों पर धर्मशालाएं बनवाई। उज्जैन में 9 मंदिर और 13 घाट का निर्माण आपके नाम से है। देवालय और सांस्कृतिक धरोहरों के नवनिर्माण के साहसिक कार्य में आपका योगदान ऐतिहासिक है। आपकी सोच एक राज्य तक ही सीमित नहीं थी अपितु आपका चिंतन संपूर्ण मानव कल्याण के लिए था। कर्तव्यनिष्ठ, धार्मिक एवं समाजसेवी होने से आपका नाम लोकमाता अहिल्याबाई हुआ। आपने भारत के गौरव को बढ़ाया। संपूर्ण जीवन दुःख, संघर्ष, संकट के बीच ईश्वर की इच्छा के अनुरूप अपना कार्य किया। आप सामाजिक क्रांति लाने वाली न्याय, प्रशासन तथा वीरता का अद्भुत उदाहरण हैं । आपने अपनी आत्मशक्ति के बल पर लोक कल्याण के कार्य किए। आपकी न्याय क्षमता राज्य व्यवस्था आधारित थी। युगों-युगों तक आदर्श शासक महान नारी-लोकमाता देवी श्री अहिल्या बाई होलकर को लोग स्मरण करते रहेंगे।

51 सेवा बस्तियों में लगे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर : 5000 से अधिक लाभान्वित

स्वस्थ मानव से ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव है।

इसी ध्येय वाक्य के साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक तथा विचारक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर **गुरुजी** की 51वीं पुण्यतिथि पर **श्री गुरुजी सेवा न्यास, सेवा भारती इंदौर एवं सेंट्रल लैब** के संयुक्त तत्वावधान में एक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन इंदौर महानगर की चयनित 51 बस्तियों में किया गया।

लगभग 2 सप्ताह पूर्व से ही सेवा विभाग के स्वयंसेवक एवं सेवा भारती के कार्यकर्ता पंजीयन करने की प्रक्रिया में जुट गए थे। प्रत्येक बस्ती में जाकर वहाँ के रहवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया एवं स्वास्थ्य शिविर की जानकारी व महत्ता को समझाने की बागडोर बस्ती कार्यकर्ताओं ने संभाली।

प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक आयोजित किये गए सभी शिविरों में आगंतुकों का किडनी, लीवर, रक्त परीक्षण, ब्लड प्रेशर, आँखों की जाँच, दन्त रोग आदि को परीक्षण किया गया जिससे लगभग 5100 रोगी लाभान्वित हुए। इनमें से 3143 रोगियों द्वारा जाँच कराई गई, परिणामस्वरूप 12% को शुगर, 23% का कोलेस्ट्रॉल बढ़ा आया, 2.9% का क्रिएटिनिन बढ़ा हुआ था, 4.1% में एसजीपीटी बढ़ा हुआ था अर्थात लीवर कमजोर एवं 0.7% में प्रोटीन कम था अर्थात उनका इम्यूनिटी लेवल कमजोर था। इन आंकडों को ध्यान में रखते हुए एवं इनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए श्री गुरुजी सेवा न्यास में विशेषज्ञ डाक्टरों ने शिविर के लाभार्थियों को आगामी 7 दिनों तक से नि:शुल्क परामर्श प्रदान किया।

धन्वंतरि आरोग्य रथ योजना का शुभारंभ

उज्जैन नगर के निकटवर्ती गाँव एवं पंचकोशी मार्ग के सीमावर्ती गाँवों में आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने हेतु माधव सेवा न्यास उज्जैन द्वारा आरंभ की गई धन्वंतरि आरोग्य रथ योजना

दिनाँक 5 जून, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव केशवराव गोलवलकर **गुरुजी** की 51 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्री रंगनाथाचार्य जी महाराज (श्री रामानुज कोट रामघाट) द्वारा धन्वंतरि आरोग्य रथ का शुभारंभ भारत माता मंदिर स्थित श्री महाकालेश्वर भक्त निवास पर हुआ। आरोग्य रथ में आयुर्वेद औषधियों के साथ एक वैद्य रहेंगे जो चिन्हित 18 अभावग्रस्त गाँवों में (प्रतिदिन/एक गाँव) जाएंगे तथा नि:शुल्क चिकित्सा एवं औषधि वितरण करेंगे। आयुष विभाग के सेवानिवृत्त चिकित्सक 2 अन्य सदस्यों के साथ अपनी सेवाएं देंगे। उज्जैन नगर के प्रतिष्ठित वैद्य भी प्रतिदिन अपनी सेवाएं देंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर बाल योगी श्री उमेश नाथ जी महाराज (श्री वाल्मिकी धाम पीठाधीश्वर उज्जैन) एवं मध्यप्रदेश शासन के आयुष व तकनीकी शिक्षा व उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार उपस्थित थे। इंदर सिंह जी के द्वारा उज्जैन नगर में स्थित शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय को शीघ्र ही अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान बनाने की घोषणा की गई। रंगनाथाचार्य जी ने महाभारत में श्री कृष्ण व युधिष्ठिर के एक प्रसंग द्वारा वृक्षारोपण के लिए नगरवासियों से आव्हान किया और सभी अतिथियों ने रुद्र सागर के किनारे बरगद, पीपल व नीम के त्रिवेणी का पौधा रोपण किया। कार्यक्रम में दो विशिष्ट नागरिकों, प्रतिष्ठित विद्या प्रोफेसर डी के खरे एवं माटी कलाकार जितेंद्र जी परमार का सम्मान माधव सेवा न्यास के पदाधिकारी तथा अतिथिगणों द्वारा किया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

सेवा भारती मालवा प्रांत द्वारा सेवा भारती द्वारा स्वास्थ्य आयाम के अंतर्गत नियमित रूप से नगरीय छोटी बस्तियों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया जिससे निर्धन एवं असक्षम वर्ग के स्वास्थ्य की जांच कर, उनके रोगों का पता करके सही समय पर उपचार किया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से सैंकड़ों रोगियों का विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से निःशुल्क परामर्श व उपचार किया गया।

सेवा भारती उज्जैन एवं जे.के. नर्सिंग होम के सहयोग से एकता नगर एवं अर्जुन नगर नानाखेड़ा, राजेंद्र नगर में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। डॉ. जया मिश्रा के नेतृत्व में डॉक्टर्स की टीम द्वारा कुल 120 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया। साथ ही निःशुल्क दवाइयाँ भी दी गई। सामान्य मौसम से संबंधित रोगों के परीक्षण हेतु ये शिविर उज्जैन विभाग के सभी नगरों के अभावग्रस्त और पीड़ित क्षेत्रों में माह में दो बार लगाए जा रहे हैं।

सेवा भारती नीमच के माध्यम एकता कॉलोनी निःशुल्क स्वास्थ परिक्षण व चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें डॉक्टर स्वप्निल जी वधवा एवं उनकी टीम द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, बुखार व अन्य सामान्य रोगों की जाँच एवं उपचार कर दवाइयां वितरण की गई। शिविर में लगभग 70 रोगियों ने स्वास्थ लाभ लिया।

महिलाओं के लिए लगे विशेष एनीमिया उन्मूलन स्वास्थ्य शिविर

बस्ती क्षेत्र की महिलाओं के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए सेवा भारती द्वारा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।

इंदौर विभाग जगन्नाथ जिला एवं भारत विकास परिषद की मालवा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में राणा बख्तावर सिंह नगर शांति नगर बस्ती में महिलाओं के लिए विशेष एनीमिया जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 191 महिलाओं व किशोरियों का रक्त परीक्षण किया गया एवं चयनित 73 एनिमिक महिलाओं को दवाइयां एवं पोषक आहार किट भी वितरित किए गए। सेवा भारती के सभी कार्यकर्ताओं ने कैंप की समुचित व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया।

उज्जैन विभाग, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विक्रमादित्य नगर में दो स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन हुआ जिनका उद्देश्य एनिमिक महिलाओं को खोजकर चरणबद्ध तरीके से उन्हें इस समस्या से निदान दिलाना था। रणकेश्वर शाखा के प्रयासों से प्रथम स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 76 की संख्या में स्वास्थ्य परीक्षण हुए। **CBC** की जांच की गई जो पूर्ण रूप से निःशुल्क थी। द्वितीय शिविर का आयोजन वाल्मीकि शाखा के प्रयासों से अवंतिपुरे में संपन्न हुआ। 10 पुरुषों सहित 131 की संख्या में स्वास्थ्य परीक्षण हुए। **CBC**, थायरॉयड, हेपेटाइटिस **B** और **HIV** की जांच निःशुल्क की गई।

दोनों शिविरों में जाँचों की रिपोर्ट आने के पश्चात जो महिलाएं एनिमिक थी उनके लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेकर दवाई और आहार के माध्यम से एनीमिया रहित करने के लिए प्रयास प्रारंभ किए गए हैं।

नि:शुल्क नेत्र रोग परीक्षण एवं मोतियाबिन्द आपरेशन शिविर

मंदसौर विभाग द्वारा विक्रांत आई हॉस्पिटल, मंदसौर एवं ग्राम पंचायत साखतली के सहयोग से ग्राम साखतली में नि:शुल्क नेत्र रोग परिक्षण एवं मोतियाबिन्द आपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 150 से अधिक संख्या में रोगी लाभान्वित हुए। 25 रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया जिनका नि: शुल्क ऑपरेशन विक्रान्त आई हॉस्पिटल में किया जाएगा।

इंदौर सेवा भारती जिला द्वारिका, आरोग्य भारती, चोइथराम नेत्रालय एवं सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में शिशु वाटिका केंद्र दुर्गा नगर में विशाल नेत्र परीक्षण शिविर एवं नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया। शिविर में 235 की संख्या में नि:शुल्क जांच की गई जिसमें 35 रोगियों में मोतियाबिंद पाए गए जिनके नि:शुल्क ऑपरेशन चोइथराम नेत्रालय धार रोड इंदौर में किए जाएंगे साथ ही 127 रोगियों को अत्यंत कम मूल्य पर नजर के चश्मे भी दिए गए।

भगतसिंह नगर (द्वारिका जिला) में महर्षि व्यास शाखा की गोद ली हुई सेवा बस्ती व्यास नगर में माधव सृष्टि (गुरुजी सेवा न्यास) चोइथराम आई हॉस्पिटल के सहयोग से नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लाभान्वित कुल संख्या 135 रही जिनमें से 29 रोगियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु अस्पताल ले जाया गया। परीक्षण व उपचार के साथ साथ रोगियों को लाने व लेजाने की व्यवस्था भी पूर्णतया नि:शुल्क थी।

रक्तदान शिविर का आयोजन

माधव सेवा न्यास, उज्जैन द्वारा 9 जून को न्यास के संस्थापक अध्यक्ष स्व. श्री अशोक जी खंडेलवाल की 16 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन न्यास के फिजियोथेरेपी सेंटर में किया गया। **जो स्वैच्छिक रक्तदान कर रहे हैं वे वास्तव में परमार्थ का कार्य कर रहे हैं।** ये विचार व्यक्त किये शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. जी. के. नागर ने। आपने अपने उदबोधन में रक्तदान से संबंधित कई उपयोगी जानकारियाँ दी व कार्यक्रम में उपस्थित आगन्तुकों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम में रक्तदान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान देने वाले नगर के तीन युवाओं रूपेश बिडवान, अश्विन खत्री व संजय सिसौदिया के साथ ही शिविर में सहयोगी जिला चिकित्सालय की चिकित्सक डॉ. संगीता गुप्ता का सम्मान किया गया। शिविर में 95 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ।

प्रशिक्षण प्राप्त बहनों को मिले प्रमाण पत्र

सेवा भारती धार द्वारा कुक्षी जिले में संचालित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी 33 मातृशक्तियों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए। अभी तक 73 बहनें 3 माह के कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। कार्यक्रम में कुक्षी सिलाई प्रशिक्षण प्रमुख ममता मंडलोई दीदी एवं सेवा भारती समिति सदस्य उपस्थित थे।

प्रकट उत्सव:बच्चों की प्रतिभा प्रदर्शन करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम

सेवा भारती शाजापुर, देवास द्वारा नगर में संचालित शिक्षा केंद्रों का सामूहिक प्रकट एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम गांधी हॉल, शाजापुर में आयोजित किया गया। 20 अप्रैल से प्रारंभ होकर 2 माह तक चलने वाली प्रतियोगिताओं का समापन 20 जून 2024 को हिन्दू सम्राज्योत्सव के दिन मंचीय कार्यक्रम के साथ हुआ।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में बस्ती के बच्चों के पास अपना समय व्यतीत करने के लिए अधिक विकल्प नहीं होते। अतः इन बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए तथा ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग करते हुए बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से व्यस्त रखने के साथ-साथ उनको विभिन्न कलाओं में पारंगत भी करने का प्रयास किया गया। प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से उन्हें पहले रंगोली, मांडना, मेहंदी, चित्रकला, कबड्डी आदि का प्रशिक्षण तो दिया गया ही साथ ही उनका प्राचीन वेद पुराणों से परिचय कराने हेतु रामायण की चौपाइयों का भी स्मरण कराया गया।

शाजापुर में 7 बाल शिक्षा केंद्र संचालित हो रहे हैं जिनमें लगभग 200 बच्चे शिक्षित व संस्कारित हो रहे हैं। बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी केंद्र पर ही कराई गई। प्रत्येक केंद्र से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 2 बच्चों का चयन करके ऐसे कुल 14 विद्यार्थियों के बीच निर्णायक प्रतियोगिताएं समय समय पर रखी गई।

20 जून को इन सभी शिक्षा केंद्रों के लगभग 150 बच्चों द्वारा प्रकटीकरण कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। गायन, प्रार्थना और सूर्य नमस्कार का मनमोहक सामूहिक प्रदर्शन बच्चों ने किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागी को पुरस्कार वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में योगेश जी जांगिड (उद्योगपति मक्सी), रामेंद्र जी घुरैय्या (राष्ट्रीय सेवा भारती सदस्य), हुकुम जी धनगर (माननीय संघ चालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शाजापुर), योगेश जी शर्मा (प्रांत सेवा प्रमुख) एवं रवींद्र जी मालवीय (प्रांत संगठन मंत्री) उपस्थित रहे। सेवा बस्तियों से आए बच्चों के अभिभावकगण तथा अन्य समाजजन सहित कुल 200 की संख्या उपस्थित रही।

योग जत्रा 2024

माधव सृष्टि (श्री गुरुजी सेवा न्यास, इंदौर) द्वारा 21 जून योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया **योग जत्रा** कार्यक्रम जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव तथा श्री बी आर गोयल एवं न्यास अध्यक्ष न्यास डा. मुकेश मोड़ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में योग प्रदर्शनी, 12 जीवंत स्टॉल जिन पर 44 से अधिक योग साधक हमारे प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपस्थित, मंचीय योग प्रस्तुतियां, 14 विभिन्न यौगिक प्राकृतिक आहार स्टॉल जिनका लाभ कार्यक्रम में आने वाले लगभग 1500 आगंतुकों ने लिया।

शिक्षा एवं संस्कारों के माध्यम से सेवा भाव जागृत कर राष्ट्रीय हित में कार्य करने की प्रेरणा देना

सेवा भारती मालवा प्रांत द्वारा सामाजिक आयाम के अंतर्गत सेवा बस्तियों में किशोर/किशोरियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए प्रकल्पों का संचालन किया जाता है। यह एक साप्ताहिक गतिविधि होती है जिसमें प्रकल्प पर आने वाले बालक/बालिकाओं की आयु सीमा 11 से 17 वर्ष तक रहती है। 2 घंटे चलने वाली इस गतिविधि का उद्देश्य ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है जो हिंदुत्व निष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो। शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं अध्यात्मिक दृष्टि से विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए समाज को समरस, सुसंपन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो। इस भाव के साथ उनमें सेवा, संस्कार, व्यवहार कुशलता आदि गुणों के निर्माण हेतु वर्ष में एक बार व्यक्तित्व विकास वर्ग का आयोजन किया जाता है जिसमें अन्य प्रशिक्षण वर्ग और कार्यशालाओं के माध्यम से उनमें सेवाभाव जागृत करने का प्रयास किया जाता है।

किशोरी व्यक्तित्व विकास शिविर, इंदौर

इंदौर विभाग द्वारा सात दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन सेवा भारती द्वारा संचालित **जीवन उमंग बालिका छात्रावास,**

बिचौली मर्दाना में संपन्न हुआ। शिविर में बालिकाओं के पञ्च कोशीय विकास, परंपराओं के वैज्ञानिक आधार, कला कौशल, सोशल मीडिया जागरूकता, परिवार का महत्व आदि विषयों पर विविध प्रकार की शारीरिक एवं बौद्धिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इंदौर महानगर के पांचों जिलों से आई 142 किशोरियों ने इस शिविर में 15 शिक्षकों से प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि अमित जी टंडन (दिल्ली मेट्रो कार्यपालक/इंदौर मेट्रो सहयोगी) थे। मुख्य वक्ता के रूप में नंदकिशोर जी नागर (मालवा प्रांत सह सेवा प्रमुख) उपस्थित थे।

किशोरी व्यक्तित्व विकास शिविर, आलीराजपुर

धार विभाग द्वारा तीन दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन **जीवन उमंग बालिका छात्रावास, मालवई** में किया गया जिसमें 40 किशोरी बालिकाओं ने दो शिक्षिकाओं के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया। बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु शारीरिक, मानसिक एवं कला कौशल प्रशिक्षण (कपड़े की थैलियां बनाना) हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ। आध्यात्मिकता से परिचय हेतु गायत्री यज्ञ किया गया। प्रतिदिन नगर से पधारे समाजजनों द्वारा विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया गया जिनमें प्रमुखतया महापुरुष जीवन परिचय, गुड टच बेड टच, स्वास्थ्य जागरूकता आदि विषय थे।

किशोर व्यक्तित्व विकास शिविर, इंदौर

इंदौर विभाग, रामेश्वरम जिला द्वारा तीन दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन लेक व्यू गार्डन, चोइथराम मंडी

चौराहा पर आयोजित हुआ। शिविर में इंदौर विभाग के पाँचों जिलों (जगन्नाथ, बद्रीनाथ, रामेश्वरम, द्वारिका एवं महू) से आए 123 किशोर बालकों को 13 शिक्षकों ने प्रशिक्षित किया। शिविर के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि सतवीर सिंह जी छाबड़ा - जिनके द्वारा शिविर हेतु तीन दिनों के लिए स्थान उपलब्ध कराया गया, एवं रविन्द्र सिंह जी खनूजा (इलेक्ट्रोड के निर्माता एवं डिस्ट्रीब्यूटर)थे। मुख्य वक्ता के रूप में रूपेश जी पाल (इंदौर विभाग कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) रहे जिनके द्वारा वर्ग का महत्व, उद्देश्य, सेवा भारती परिचय तथा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पृष्ठभूमि का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

इस तीन दिवसीय आवासीय शिविर में बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु विविध प्रकार की शैक्षणिक, शारीरिक और बौद्धिक गतिविधियों (सीड बॉल कार्यशाला, चित्रकला कार्यशाला, कंठस्थीकरण, संस्कारशाला, स्वानुशासन, भारत दर्शन आदि) का आयोजन किया गया।

छोटे छोटे कार्यों को यदि व्यवस्थित करना सीख लेंगे तो बड़े कार्य करना हमारे लिए सरल हो जाएंगे यह कथन समापन सत्र में पधारे मुख्य अतिथि अभय जी निगम (मल्टीनेशनल कंपनी में 20 वर्ष तक बिजनेस मैनेजमेंट के पद पर रहे) ने बालकों को संबोधित करते हुए कहे। अभय जी द्वारा बालकों को जीवन में सफलता के सूत्र , खेल के माध्यम से जीवन में अनुशासन लाना, ध्यान योग आदि के द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री विकास जी मेड़तवाल (इंदौर विभाग सेवा प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) एवं इंदौर विभाग समिति सदस्य, जिला समिति सदस्य, बालकों के अभिभावक व पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

तरूणी विकास वर्ग

सेवा भारती इंदौर द्वारा किशोरी प्रकल्प के अंतर्गत तीन दिवसीय तरुणी विकास वर्ग का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य सेवाबस्ती की तरूणी बहिनों को किशोरी प्रकल्प से जोड़ना और अन्य बस्ती में नवीन प्रकल्प खोलने के साथ-साथ सभी जिलों में मातृशक्ति को जोड़कर प्रकल्प पालक के रूप में तैयार करना था। तीन दिवसीय इस आवासीय वर्ग में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु विविध प्रकार की शारीरिक और बौद्धिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। वर्ग में इंदौर विभाग के पाँच जिलों (द्वारिका, बद्रीनाथ, जगन्नाथ, रामेश्वरम एवं महू) से 39 तरुणी बहनों ने 5 शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया।

स्वास्थ्य एवं सौंदर्य कार्यशाला

उज्जैन विभाग में संचालित किशोरी विकास प्रकल्पों की बहनों को अपने स्वास्थ्य व सौंदर्य के प्रति जागरूक करने हेतु कार्यशाला का आयोजन सेवा भारती द्वारा किया गया।रानी लक्ष्मीबाई बस्ती, केशवनगर व अन्य नगरों में संचालित 15 किशोरी विकास केंद्र की 4-4 बहनों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

आहार एवं सौंदर्य देखभाल जैसे विषयों की जानकारी देने के लिए वक्ता के रूप में डायटिशियन मेघा जी चंदेल व अनुभवी ब्यूटीशियन अर्चना ज्ञानी दीदी उपस्थित थीं। इनसे ज्ञानवर्धक मार्गदर्शन प्राप्त करने के साथ ही किशोरी बहनों को अपने अपने

केन्द्रों की अन्य बहनों को भी इनके प्रति जागरूक करना था। कुल 62 बहनों ने इस ज्ञानवर्धक कार्यशाला से लाभ लिया।

किशोरी विकास प्रकल्प प्रारम्भ

सेवा भारती खरगोन द्वारा 2 किशोरी विकास प्रकल्प माँ अहिल्या किशोरी विकास और सावित्री बाई फुले किशोरी विकास आरंभ किए गए। जिनमें बच्चियों का स्वास्थ्य परीक्षण व एंगर मैनेजमेंट और कढ़ाई की वर्कशॉप करवाई गई।

कंप्यूटर कोर्स के लिए प्रमाण पत्र वितरण

सेवा भारती इंदौर रामेश्वरम जिला द्वारा संचालित संकल्प कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें मुख्य रूप से रवीन्द्र जी मालवीय (सेवा भारती प्रांत संगठन मंत्री) एवं राघवेंद्र जी रावत (असेस्टेंट कमिश्नर जीएसटी विभाग) उपस्थित रहे।

सेवा भारती जिला धार द्वारा संचालित निः शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र पर वर्तमान व पूर्व प्रशिक्षुओ से **लोक जागरण** के विषय राष्ट्रीय गौरव की पुर्नस्थापना, लोकतंत्र की विशेषता, मतदान की अनिवार्यता एवं राष्ट्र हित में मतदान को लेकर चर्चा की गई। प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति सविता जिंदल व मुख्य वक्ता रूपसिंग जी नागर (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ - प्रांत कार्यकारिणी सदस्य व धार लोकसभा प्रभारी) उपस्थित थे।

सेवा भारती इंदौर द्वारा संचालित **जीवन उमंग बालिका छात्रावास** में 12 वीं की बालिकाओं को जन शिक्षण संस्थान के द्वारा गत 2 वर्षो से बेसिक कंप्यूटर कोर्स कराया जा रहा है। 150 दिन के इस डिप्लोमा कोर्स से अभी तक 40 बालिकाएं लाभान्वित हुई हैं। कोर्स की समाप्ति पर इन्हें प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

लिप्पन आर्ट कार्यशाला का आयोजन

भारतीय प्राचीन कला एवम संस्कृति में आध्यात्म तथा विविधता के साथ साथ निरंतरता का भी समावेश है जिसे आधुनिक और पारंपरिक दोनों रूप में देखा जा सकता है। ऐसी ही एक कला **लिप्पन आर्ट** (गुजरात राज्य का क्ले आर्ट) का प्रशिक्षण लिया **सेवा भारती बालिका छात्रावास, उज्जैन** की बालिकाओं ने।

इस कला को कच्छ की ग्रामीण महिलाएं अपने घरों को सजाने के लिए बनाती हैं। परंपरागत रूप से लिप्पन मिट्टी और गाय के गोबर को मिलाकर बनाया जाता है तत्पश्चात दीवारों पर लगाया जाता है। सहज आर्ट की संचालिका श्रीमति हर्षा चेतवानी द्वारा इसका प्रशिक्षण दिया गया।

निःशुल्क प्रशिक्षण वर्ग

सेवा भारती मालवा प्रांत महिलाओं व किशोरियां को स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अभावग्रस्त महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर छोटी-छोटी बचत राशि जमा करा कर, साप्ताहिक बैठक कराकर, विभिन्न प्रशिक्षण वर्गों के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित कर और उनके द्वारा निर्मित उत्पादों के विक्रय के लिए एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराकर महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जा रहा है और अब यही मातृशक्ति प्रशिक्षित होकर अन्य को प्रशिक्षित करने में अपना योगदान दे रही है।

मेंहदी प्रशिक्षण केंद्र - सेवा भारती खरगोन जिला बड़वानी द्वारा अंजड नगर में मेहंदी प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ हुआ जिसमें प्रतिदिन दोपहर 3 से 4:30 बजे तक पल्लवी जोशी दीदी द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्तमान में 25 बहनें प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

LED बल्ब प्रशिक्षण - सेवा भारती देवास द्वारा नगर में बस्ती की महिलाओं के लिए LED बल्ब निर्माण का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया जिसमें सेवा बस्तियों से आई 17 बहनों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र - सेवा भारती मंदसौर द्वारा पिपलियामंडी नगर की अयोध्या बस्ती में **माता जीजा बाई निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र** प्रारंभ हुआ। केंद्र समाज के सहयोग से सतत संचालित होगा। प्रशिक्षण मंजू जोशी दीदी द्वारा दिया जा रहा है। वर्तमान में 8 बहनें उनसे प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

सेवा भारती उज्जैन द्वारा सुदर्शन नगर बस्ती, बापू नगर (आगर रोड) पर सिलाई केंद्र का शुभारंभ हुआ। वर्तमान में यहां 30 बहनें प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

जनजातीय लोक कला प्रशिक्षण वर्ग - सेवा भारती झाबुआ द्वारा संचालित जनजातीय सशक्तिकरण केंद्र बड़ा घोसलिया में चार दिवसीय जनजातीय लोक कला प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। 4 चरणों में पूर्ण होने वाले इस वर्ग के प्रथम चरण में ग्रामीण उत्सवों में प्रयुक्त होने वाले पक्के बांस के धनुष बाण बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। बांस का चयन, उसे उपचारित करना, उसकी कटाई, आकार, रंगाई, भराई और सजावट आदि का प्रशिक्षण बांसवाड़ा जिले से आई प्रशिक्षिका श्रीमति भगवती बाई डामोर द्वारा 22 अप्रैल से 26 अप्रैल तक प्रतिदिन 14 महिलाओं को प्रशिक्षण

दिया गया।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण केंद्र - सेवा भारती उज्जैन द्वारा राजेंद्र नगर एवं मधुकर नगर में मेहंदी प्रशिक्षण केंद्र (बेसिक व ब्राइडल) तथा

ब्यूटी पार्लर केंद्र (बेसिक) प्रारंभ हुआ। 2 माह तक चलने वाले इन प्रकल्पों पर निधि जोनवाल दीदी तथा प्रियंका राठौर दीदी द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्तमान में दोनों केंद्रों पर लगभग 50 बहनें प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

मातृ स्वावलंबन केंद्र का उद्घाटन

संपन्न परिवार की महिला को भी स्वावलंबी बनकर समाज में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी करनी चाहिए। यह विचार थे लेखिका व यूथ आइकॉन CA गरिमा जी सोनी के जो विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थीं।

सेवा भारती रतलाम द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अप्रैल माह 2024 को **मातृ स्वावलंबन केंद्र** का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लायन क्लब के रीजनल चेयरपर्सन श्री दिनेश जी शर्मा के अनुसार कोई भी सेवा प्रकल्प शुरू करना तो बहुत आसान होता है परंतु जिस प्रकार सेवा भारती संकल्प लेकर कोई कार्य करती है उस समाज को सीखना चाहिए।

भविष्य की योजनाओं के रूप में युवा रोजगार केंद्र, चलित चिकित्सा यूनिट, कंप्यूटर लैब आदि अन्य प्रकल्प पर कार्य करने की योजना के बारे में बताया गया। केंद्र में महिलाओं को मेंहदी, सिलाई तथा ब्यूटी पार्लर का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अभी तक लगभग 70 बहनें यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं एवं 57 बहनें वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

लोकार्पण समारोह

सेवा भारती इंदौर द्वारा संचालित चिकित्सा प्रकल्प MTH हॉस्पिटल में आने वाले रोगियों के परिजनों के लिए एक विश्रामालय का निर्माण कार्य समाज के सहयोग से पूर्ण किया गया। जिसका लोकार्पण समारोह दिनांक 14/5/2024 को डॉ. मुकेश मोढ (संघ चालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ इंदौर) एवं श्री पुष्यमित्र भार्गव(महापौर) की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में MGM मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ संजय दीक्षित, चिकित्सालय के अन्य अधिकारियों के साथ साथ सेवा भारती इंदौर के पदाधिकारी गण व संरक्षण मण्डल के सदस्य उपस्थित थे। इस प्रकल्प पर रोगी के परिजन हेतु विश्राम की व्यवस्था एवं दूध व पानी गर्म करने की निःशुल्क व्यवस्था भी सेवा भारती के माध्यम से की जाएगी।

वैभव श्री स्वयं सहायता समूह सम्मेलन एवं वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण

सेवा भारती इंदौर विभाग के चार जिलों (जगन्नाथ, रामेश्वरम, बद्रीनाथ एवम द्वारिका) में हुए इन प्रशिक्षण वर्गों में 400 बहनों ने सहभागिता की।

वर्ग में समूह से आई बहनों को सरकारी योजनाओं के विषय में, घरेलू हिंसा तथा उनके साथ घटित होने वाले अपराधों, महिला अधिकारों, साइबर अपराध एवं नशा मुक्ति के विषय में जानकारी दी गई तथा उन्हें कुटीर उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

वर्तमान में इंदौर में कुल 170 स्वयं सहायता समूह संचालित किए जा रहे हैं। समूह के माध्यम से बहनों ने आचार निर्माण, होली के रंग, विद्युत झालर बनाने का कार्य किया, वहीं कुछ बहनों ने समूह लोन से अपना व्यवसाय शुरू किया जैसे - किराना दुकान, साड़ी की दुकान, ब्यूटी पार्लर, आदि। किसी ने सिलाई मशीन

खरीदी और वर्तमान में 6000/- महीने की आमदनी अर्जित कर रही है। एक दीदी ने समूह लोन से अपने पति को ई रिक्शा खरीदने में सहयोग किया। इस प्रकार के कई अनुभव समूह की बहनों द्वारा साझा किए गए।

नन्हें पर्यावरण मित्रों ने किया बस्ती को प्लास्टिक मुक्त

इंदौर विभाग बद्रीनाथ जिला, भानगढ़ बस्ती का अमरापुरी क्षेत्र- जहाँ के बच्चे 2 माह से बस्ती को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए प्रयासरत हैं। इन बच्चों को सेवा भारती के कार्यकर्ता द्वारा पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया और कुछ प्लास्टिक की खाली बोतलें उपलब्ध कराई गई जिससे ये प्लास्टिक की पन्नियाँ इत्यादि कचरा उसमें इकट्ठा कर सकें। परिणामस्वरूप बच्चों ने गत 2 माह में बस्ती से सारा प्लास्टिक का कचरा 100 से अधिक बोतलों में भरकर जमा कर लिया है । उनके इस सराहनीय कार्य से माता पिता भी खुश हैं, अब ना तो बस्ती में कहीं भी कचरा दिखता है और ना ही अब गाय के पेट में प्लास्टिक जाता है। शीघ्र ही पर्यावरण विभाग बच्चों से ये बोतलें एकत्रित कर उनके स्थान पर बच्चों को पौधे देकर उनका उत्साहवर्धन करेंगे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए किया पौधा रोपण

सेवा भारती खण्डवा द्वारा संचालित **बालक छात्रावास सेवाधाम** आश्रम में 5 जून पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वन विभाग के अधिकारियों द्वारा फलदार पौधों का रोपण किया गया। छात्रावास के बालकों को उन्होंने वृक्षारोपण की आवश्यकता तथा महत्व बताया और पेड़ पौधों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी। पौधारोपण के बाद उन्होंने उनकी सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड की व्यवस्था भी करके दी।

श्री गुरुजी बालक छात्रावास (सेवा भारती रतलाम द्वारा संचालित)

रतलाम सेवा भारती समिति द्वारा वर्ष 1995 से समाज के उत्थान हेतु अनेक प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। इन्हीं में से एक है एकल विद्यालय। वर्ष 1995 से 2010 तक जिले के दूरस्थ वनवासी अंचलों में 300 एकल विद्यालयों की स्थापना व संचालन कर हजारों वनवासी छात्र-छात्राओं को कक्षा पांचवी तक की शिक्षा प्रदान की गई। किंतु वर्ष 2010 से एकल विद्यालय समिति की स्थापना कर उन्हें एकल विद्यालय का काम हस्तांतरित कर दिया गया था। रतलाम सेवा भारती द्वारा संचालित एकल विद्यालय व अन्य गतिविधियों के मध्यांतर यह पाया गया कि ग्रामीण व वनवासी क्षेत्र के कई होनहार छात्र पांचवी तथा आठवीं कक्षा के बाद आगे की शिक्षा नहीं ले पा रहे थे। परिवार की आर्थिक स्थिति, उपयुक्त साधनों का अभाव, विद्यालय का दूर होना, रहने खाने की उचित व्यवस्था ना मिलना तथा अन्य कई ऐसे सामाजिक कारण थे जिससे साधारण ग्रामीण वनवासी परिवार अपने बच्चों को अग्रिम शिक्षा हेतु कहीं नहीं भेज पाता था। संगठन के कई कार्यकर्ता नाम मात्र के मानव धन पर एकल विद्यालय योजना व अन्य प्रकल्पों में समर्पित सेवा दे रहे हैं अतः उनके बच्चों के भविष्य की चिंता करने, साथ ही अन्य अभावग्रस्त किंतु होनहार बालक बालिकाओं को शिक्षित व संस्कारित करने तथा उनके सर्वांगीण विकास के साथ साथ उनमें राष्ट्र सेवा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से सेवा भारती द्वारा छात्रावास योजना शुरू की गई। इस दिशा में रतलाम नगर में , कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों को शिक्षा से वंचित ना रहना पड़े, इस उद्देश्य से सेवा भारती समिति द्वारा एक बालक छात्रावास की शुरुआत सन 2016 में की गई। छात्रावास हेतु भवन/प्लॉट रतलाम की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमति द्रोपदी व्यास द्वारा दान दिया गया था, जिसपर छात्रावास निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग मुंबई निवासी दिनेश चंद्र कोर्टीलाल जी भंसाली द्वारा किया गया।

तीन मंजिला इस भवन में चार बड़े कक्ष, चार कक्षाएं, एक कार्यालय तथा दो रसोईघर निर्मित है। 30 छात्रों की क्षमता वाले इस छात्रावास में बालकों को शिक्षा व संस्कार के साथ-साथ शारीरिक दक्षता में भी योग्य बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जाते हैं। यहां उनकी आवासीय एवं शैक्षणिक आदि की व्यवस्था का प्रबंध पूर्ण रूप से छात्रावास समिति द्वारा समाज के सहयोग से किया जा रहा है। बच्चों को अनुशासित एवं संस्कारित शिक्षा देने के साथ साथ भारतीय संस्कृति से जोड़े रखने के लिए विभिन्न गतिविधियां का संचालन किया जाता है। बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए छात्रों को नियमित खेलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस हेतु छात्रावास के समीप स्थित श्री सरस्वती विद्या मंदिर के खेल प्रांगण का उपयोग किया जाता है, जहां पर नियमित शाखा भी लगती है तथा बालकों की खेलकूद से संबंधित सभी गतिविधियां संचालित की जाती हैं।

गत तीन वर्षों से छात्रावास के बच्चे विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में जैसे एथलेटिक्स, दौड़, कबड्डी आदि में जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर चयनित होकर सफलता प्राप्त करते आ रहे हैं। प्रतिवर्ष रतलाम में होने वाले चेतन खेल मेले में छात्रावास के बालकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अनेक पुरस्कार प्राप्त किए हैं। अभी तक 22 बच्चे यहां से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करके विभिन्न क्षेत्रों में अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।

सेवा भारती इंदौर द्वारा संचालित **दिशा प्रतियोगी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र** के छात्र, प्रवीण मंडलोई, ने मध्य प्रदेश लोक सेवा द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2021 में अधीनस्थ लेखा सेवा में सफलता प्राप्त की ।

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12 वीं की परीक्षा में **सेवा भारती इंदौर** द्वारा संचालित **जीवन उमंग बालिका छात्रावास** की बालिका ननीता बाबेरिया ने पूरे विद्यालय (शासकीय माध्यमिक विद्यालय, बिचौली मर्दाना) में सर्वाधिक अंक(84.2%) प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

रतलाम निवासी 19 वर्षीय प्रियंका कंडारे के पिताजी नगर निगम में कार्यरत हैं। उनकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति भी चुनौतीपूर्ण है। प्रियंका ने **सेवा भारती रतलाम द्वारा संचालित मातृ स्वावलंबन केंद्र** से मेंहदी तथा ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। पूर्ण प्रशिक्षित होकर उन्होंने स्वयं के घर से ही कार्य प्रारंभ किया फलस्वरूप वे आर्थिक रूप से सक्षम हो रही हैं। शीघ्र ही सेवा भारती के सहयोग से उनके लिए ब्यूटी पार्लर प्रारंभ किया जाएगा जहां से वे सुचारू रूप से अपना कार्य संचालित कर सकेंगी।

सेवा भारती मालवा प्रांत द्वारा गत 7 वर्षों से निर्धन व असक्षम परिवारों की 12वीं पास बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सँकरा नेत्र चिकित्सालय, कोयम्बटूर द्वारा निःशुल्क (डिप्लोमा इन ऑफथेलमिक अस्सिस्टेंट) कोर्स के चयन हेतु तैयारी करवाई जा रही है। मालवा प्रांत के सभी जिलों में परिवारों से संपर्क करके इन बालिकाओं का चयन किया जाता है। तत्पश्चात उनकी व उनके माता पिता की काउंसलिंग से लेकर मुख्य परीक्षा में उनके उपस्थित होने एवं उनके चयनित होने के बाद उनके ट्रेनिंग के लिए कोयम्बटूर पहुँचने तक की सभी व्यवस्थाओं में सेवा भारती के कार्यकर्ता पूर्ण सहयोग करते हैं । इनमें से कई बालिकाएं ऐसी भी होती हैं जिन्होंने रेलयात्रा तो दूर कभी अपने गाँव से बाहर भी नहीं निकली हैं। अतः ऐसे में कार्यकर्ता उनका मार्गदर्शन करते हैं।

इस वर्ष हुई चयन परीक्षा में मालवा प्रांत से 10 बालिकाओं का चयन हुआ जिनमें **सेवा भारती बालिका छात्रावास जीवन उमंग, इंदौर की** 2 पूर्व छात्राएं भी हैं। ये सभी शीघ्र ही ट्रेनिंग के लिए कोयम्बटूर प्रस्थान करेंगी । अभी तक 77 बालिकाओं का चयन इस कोर्स के लिए हो चुका है, जिनमें से 31 बालिकाएं तीन वर्ष की ट्रेनिंग पूर्ण करके संकरा नेत्र चिकित्सालय, इंदौर में **VCT (vision care technician)** एवं अन्य पदों पर स्थायी कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं।

महर्षि वाल्मिकी वंशज सेवा आश्रम संघ

झाबुआ का वनवासी अंचल आज भी भौगोलिक, आर्थिक व मानसिक विषमताओं का सामना कर रहा है। यहाँ सेवा और शिक्षा से संस्कार का निर्माण करने की आवश्यकता ने **महर्षि वाल्मिकी वंशज सेवा आश्रम संघ** को जन्म दिया। न्यूनतम संसाधनों में उत्तम शिक्षा, सामाजिक जगत में रोजगार देने, स्व की भावना जागृत करने के लिए तथा राष्ट्रहित के लिए नए आयामों को स्थापित करने के लिए सन् 2006 में श्री कलसिंह भाभर द्वार **महर्षि वाल्मिकी वंशज सेवा आश्रम संघ** की स्थापना हुई। जो समाज में शिक्षा के साथ-साथ धार्मिक जागरुकता, नशामुक्ति, पर्यावरण, रोजगार, बहु-उद्योग, खेल, सामाजिक जागरुकता के लिए 18 वर्षों से सतत कार्य कर रहा है। मूलतः झाबुआ जिले के थांदला तहसील से कलसिंह जी भाभर पूर्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह रह चुके हैं। शुरू में उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से बता कर जागरूकता लाने का प्रयास किया। तत्पश्चात संस्था के द्वारा सर्वप्रथम छात्रावास व 2 एकल विद्यालय की शुरुआत हुई। छात्रावास में ऐसे विद्यार्थी जिनके माता-पिता नहीं थे, उनको प्रवेश दिया गया। वर्तमान में कक्षा प्रथम से 8 वीं कक्षा तक के 24 बालक यहां अध्ययन कर रहे हैं। एकल विद्यालयों में अत्यंत निम्न शुल्क देकर 250 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इनका संचालन 10 कार्यकर्ताओं की एक समिति करती है जो तन मन धन से सेवा को समर्पित है और अत्यंत कम वेतन के साथ इन विद्यालयों की सम्पूर्ण व्यवस्था का जिम्मेदारी से निर्वहन करती है। सन 2016 से संस्था ने स्वास्थ्य शिक्षा पर भी कार्य शुरू किया जिसके अंतर्गत **मां पद्मावती इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग** की शुरुआत थांदला से 2 किलोमीटर दूर कमल परिसर मछलईमाता ग्राम में की गई। अब तक यहां से 180 बालिकाएं नर्सिंग की शिक्षा

व प्रशिक्षण लेकर अपनी आजीविका चला रही हैं और वर्तमान में 180 बालिकाएं प्रशिक्षण भी प्राप्त कर रही हैं।

आज संस्था का स्वयं का भवन और परिसर है । संस्था के द्वारा अपने प्रकल्पों के माध्यम से समाज कल्याण के लिए यथा संभव सहायता की जाती है। रोजगार के क्षेत्र में प्राकृतिक संपदाओं का संरक्षण करते हुए उन्हें कैसे उपयोग लेना है इसे ध्यान में रखते हुए पर्यटन, कुटीर उद्योग, जैविक, पशु संवर्धन आदि पर भी कार्य शुरू हुआ है। आसपास के किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य तालाब का निर्माण किया और उसी तालाब को उस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा एवं स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **वाल्मीकि पिकनिक पॉइंट** स्थापित किया। साथ ही थांदला से लगभग 7 किलोमीटर की दूरी पर चैनपुरा गांव की पहाड़ी पर भारत माता मंदिर की भी स्थापना की। कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण वर्ग लगाए, जैविक खेती और गौशालाओं का विकास किया। संस्था की आगामी योजनाओं में कन्या छात्रावास एवं कन्या विद्यालय खोलने की योजना है।

वर्तमान में संस्था का कार्यभार सह सचिव संजय जी भाभर देख रहे हैं जिन्होंने स्वयं की शिक्षा सेवा भारती बालक छात्रावास, ग्वालियर से पूर्ण करके समाजकार्य में MSW स्नातकोत्तर किया। सन 2016 से संजय जी की माताजी श्रीमति सुकली भाबर (अध्यक्ष) एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमति अन्नू भाबर(सचिव) भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवा के इस पुनीतकार्य में सहयोग कर रहे हैं।

सेवा को तत्पर संघ

देवास नगर, मोती बंगला की सेवा बस्ती में दिनाँक 11 अप्रैल को सिलेंडर फटने से आग लग गई।

सूचना मिलते ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक एवं सेवाभारती के कार्यकर्ता बस्ती में पहुंचे एवं बिना एक क्षण भी व्यतीत करे राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। आग के प्रसार को रोकने के लिए सर्वप्रथम उक्त बस्ती के अन्य घरों में सिलेंडर थे उन्हें बाहर निकालकर आग से सुरक्षित दूरी तक हटाया गया। बस्ती के घरों में गृहस्थी के सामानों को भी बाहर निकाल कर सुरक्षित किया। उस समय बस्ती के अधिकांश पुरुष एवं वयस्क आजीविका हेतु अपने काम पर गए हुए थे, स्वयंसेवकों ने बच्चों, महिलाओं एवं वृद्धों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया एवं फायर ब्रिगेड एवं राहत वाहनों के लिए मार्ग प्रशस्त कर आग बुझाने में सहायता की।

सभी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के बाद अग्निशमन दल द्वारा आज को बुझाया गया मोती बंगला बस्ती के स्वयंसेवकों द्वारा तीन दिन तक पीड़ित परिवारों के भोजन की व्यवस्था परिवारों के माध्यम से की गई। सेवा भारती के सहयोग से एक-एक माह का राशन सभी पीड़ित परिवारों को दिया गया।

स्वयंसेवकों ने संभाली आपातकाल व्यवस्था

क्षमता से अधिक सवारी बैठाने के कारण टायर बस्ट होने से बस में लगी आग

7 अप्रैल 2024 सुबह 5:00 बजे देवास बाईपास पर एक बस में आग लग गई जिसमें पुणे से नेपाल की ओर जा रहे मजदूर सवार थे । सूचना मिलते ही निकट की शाखा से स्वयंसेवक एवं सेवा भारती के कार्यकर्ता उनके लिए अल्पाहार, दूध, पानी आदि की व्यवस्था कर घटनास्थल पर पहुंचे। बस अभी भी जल रही थी और लोग बिखरे सामान से अपनी आवश्यक वस्तुएं खोज रहे थे। सारा सामान जल चुका था। एक घायल यात्री को गंभीर चोट आई थी जिसे स्वयंसेवकों की मदद से तुरंत उपचार के लिए एमजी अस्पताल भेजा गया। इसके पश्चात प्रशासन की मदद से निकट के ही एक मैरिज गार्डन में उन सबके रुकने की व्यवस्था की गई । राजा भाऊ महाकाल बस्ती के द्वारा उनके सुबह के भोजन का

प्रबंध किया गया। स्वयंसेवकों ने अपने घरों से नए वस्त्र एकत्रित कर के यात्रियों में वितरित किए । शाम तक उनकी नेपाल जाने के लिए दूसरी बस की व्यवस्था प्रशासन के सहयोग द्वारा की गई। सभी यात्रियों को भोजन के पैकेट व बच्चों को मिठाई एवं चॉकलेट आदि की व्यवस्था श्री सोनू पंजाबी द्वारा की गई । परंतु मक्सी तक जाने के पश्चात 120 के करीब संख्या को एक ही बस में ले जाने की जिद्द बस ऑपरेटर करने लगा । फिर से दुर्घटना के आशंका को लेकर बस में सवार नेपाली बंधुओ ने देवास में कार्यकर्ताओं से संपर्क किया। तब देवास विभाग सेवा प्रमुख जो की मक्सी में ही निवास करते हैं, के सहयोग से दो बसों की व्यवस्था हुई और रास्ते में भी अलग अलग प्रांत से गुजरते समय नेपाली बंधुओं के भोजन के लिए उचित व्यवस्था होती गई। नेपाल सीमा पर पहुंचने के बाद एक बार फिर सभी लोगों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का धन्यवाद किया और भारत माता की जय का उद्घोष किया ।

झलकियाँ

सेवा भारती थांदला, जिला झाबुआ द्वारा संत रविदास बस्ती में संचालित लव कुश बाल शिक्षा केंद्र में बालक अर्णव वत्सल आचार्य ने केंद्र पर आने वाले बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाया।

उज्जैन विभाग में संचालित 15 किशोरी विकास प्रकल्प के प्रशिक्षकों व सहायक प्रशिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ ।

जीवन उमंग बालिका छात्रावास मालवई आलीराजपुर की बालिकाओं ने मिस्त्री के काम का प्रशिक्षण लेकर परिसर के अंदर ही खजूर के पेड़ के नीचे बैठक का एवं मटका रखने के लिए लकड़ी का स्टैंड, पक्षियों के दाना पानी के लिए तेल के डब्बे की सहायता से पात्र का निर्माण किया।

सेवा विभाग, उज्जैन द्वारा घुमन्तु कार्य विभाग उज्जैन के संयोजन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, मक्सी रोड पर स्थित ग्राम पाटपाला में किया गया। शिविर में कुल 92 महिला व पुरुषों की cbc और थायराइड की जांच एवं दवाई वितरण किया गया।

सेवा भारती इंदौर विभाग के महू नगर में एक दिवसीय किशोरी अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया । वर्ग में 74 बालिकाओं ने सहभागिता की ।

राष्ट्र सेविका समिति का प्रारंभिक वर्ग 1 मई, 2024 से 6 मई 2024 तक बड़नगर में आयोजित किया गया ।
जिसमें **सेवा भारती बालिका छात्रावास उज्जैन** की 9 बहनों के द्वारा सहभागिता की गई तथा छात्रावास की बहनों की प्रेरणा से महू से 13 बहनों के द्वारा प्रशिक्षण वर्ग में प्रशिक्षण लिया गया ।

स्मरणीय विभूतियाँ

स्वामी विवेकानंद
महान भारतीय हिन्दू सन्यासी व दार्शनिक
पुण्यतिथि 4 जुलाई

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक
महान विचारक,स्वतंत्रता सेनानी
जन्मदिवस 23 जुलाई

चन्द्रशेखर आज़ाद
महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी
जन्मदिवस 23 जुलाई

मुंशी प्रेमचंद
भारतीय हिंदी/उर्दू के लोकप्रिय उपन्यासकार
जन्मदिवस 31 जुलाई

रानी अहिल्याबाई होलकर
मालवा साम्राज्य, इंदौर की महारानी
पुण्यतिथि 13 अगस्त

गुरु अमरदास जी
सिक्खों के तीसरे गुरु
पुण्यतिथि 1 सितम्बर

संत विनोबा भावे
स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
जन्मदिवस 11 सितम्बर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
भारतीय जन संघ के अध्यक्ष
जन्मदिवस 25 सितम्बर

सरदार भगत सिंह
भारतीय क्रांतिकारी
जन्मदिवस 28 सितम्बर

डॉ राधाकृष्णन
शिक्षक, देशभक्त एवं कुशल राष्ट्रपति
जन्मदिवस (शिक्षक दिवस) - 5 सितंबर

महत्वपूर्ण त्यौहार व दिवस

05 जुलाई- आषाढ़ी अमावस्या
07 जुलाई - श्री जगन्नाथ रथयात्रा
21 जुलाई - गुरू पूर्णिमा
22 जुलाई - श्रावण मास प्रारम्भ
07 अगस्त - हरियाली तीज
09 अगस्त - नाग पंचमी
19 अगस्त - रक्षा बंधन
26 अगस्त - श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
07 सितंबर - श्री गणेश चतुर्थी
08 सितंबर - ऋषि पंचमी
14 सितंबर - डोल ग्यारस
17 सितंबर - अनंत चतुर्दशी व्रत

बुक–पोस्ट

सेवा पथिक

डाक वितरण नहीं होने की स्थिति में लौटाएँ –

प्रेषक : सेवा भारती
34, तिलकपथ नागपुर नागरिक सह. बैक
के ऊपर इन्दौर म.प्र. – 452007
फोन नं. 0731–2548483

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक भैयाजी दाणी सेवा न्यास 76 रामबाग, इन्दौर के लिए मुद्रांकण ऑफसेट ए 11/डी पोलोग्राऊंड से मुद्रित। संपादक – ताराचंद लखवानी 9406680303, सह संपादक – कामना खंडेलवाल 9827026225